

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग प्र—चण्ड 3—डप-चण्ड (li) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 736] नई विस्ली, गुक्रवार, विसम्बर 10, 1993/अग्रहायण 19, 1915 No. 736] NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 10, 1993/AGRAHAYANA 19, 1915

वित्त मंत्रालय

(मार्थिक कार्य विभाग)

स्टॉक एक्सबेंज प्रभाग

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर, 1993

का.म्रा. 941 (म्र):—केन्द्रीय मरकार, मगध स्टांक एक्पचेज एसोसिएशन, पटना द्वारा (जिसे इसमे इसके पश्चात् "एक्सचेंज" कहा गया है) प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियमावली, 1957 के नियम 7 के साथ पटिन प्रतिभृति पविदा (विनियमन) म्रधिनियम, 1956 (1956 का 42वा) की धारा 3 के मन्तर्गत मान्या के नवीकरण के लिए दिए गए भ्रावेदन-पत पर विचार करने और उस बान से मंतुष्ट होने के बाद, कि ऐसा करना स्थापार के हित मे तथा लोकहिन मे भी होगा, उक्न अधिनियम की धारा 4 द्वारा प्रदन्त मिक्तियों का प्रयोग करने हुए, एतद्वारा एक्मचेंज को उक्त धारा 4 के अश्रीन 11 दिसम्बर, 1993 से श्रारम्भ होने वाली और 10 दिसम्बर, 1994 को ममाप्त होने वाली एक वर्ष की अग्रीतर भ्रवधि के लिए प्रतिभूतियों के संविदाओं के संबंध में ऐसी मतौं के अधीन, यदि कोई हों जिन्हें केन्द्रीय सरकार समय-समय पर लगाती है, मान्यता प्रदान करनी है।

[एफ.स. 1/76/एस ई 91] पी.जे. नायक, सयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

Stock Exchange Division

NOTIFICATION

New Delhi, the 10th December, 1993

S.O. 941(E).—The Central Government having considered the application for renewal of recognition made under section 3 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956, (42 of 1956), read with rule 7 of the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957, by the Magadh Stock Exchange Association, Patna (hereinafter referred to as the Exchange) and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by section 4 of the said Act, recognition to the Exchange under the said section 4 for a further period of one year commencing on the 11th day of December, 1993 and ending with the 10th day of December, 1994 in respect of contracts in securities subject to such conditions, if any, as the Central Government may from time to time impose.

[F. No. 1]76|SE|91] P. J. NAYAK, Jt. Secv.